प्लासी युद्ध के परिणाम / महत्व :->

प्लासी का युद्ध सभी अर्थों में युद्ध नहीं था। यह एक रक्तहीन युद्ध था, जिसका निर्णय युद्ध के पूर्व ही हो चुका था। फिर भी इसके परिणाम बहुत महत्वपूर्ण हुए। क्लाइव ने लिखा था " यह एक क्रांति थी जो सभी दृष्टियों से पूर्ण थी।"

इस युद्ध के राजनीतिक, आर्थिक और नैतिक दृष्टि से अनेक महत्वपूर्ण परिणाम निकले.

(1) राजनीतिक परिणाम → इस युद्ध के बाद भारतीय राजनीति में अंग्रेजों की प्रधानता कायम हो गई, बंगाल के वे वास्तविक शासक बन गये. मीर जाफर जैसा एक कठपुतली शासक, 3 करोड़ रुपया तथा 24 परगने की जमींदारी भी कम्पनी को प्राप्त हो गई. इससे कम्पनी की बंगाल में नींव जम गई और बंगाल से प्राप्त इस धन से उसे कर्नाटक के तीसरे युद्ध में

तथा इस युद्ध ने अंग्रेजों को उत्तरी भारत की सर्वश्रेष्ठ शक्ति बना दिया तथा भारतीय सेना की कमजोरी उनके सम्मुख प्रकट हो गई. अतः भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की स्थापना की दृष्टि से बक्सर के युद्ध में अंग्रेजों की विजय का महत्व विशिष्ट है.

(2) इस विजय के फलस्वरूप मीर कासिम ही पराजित नहीं हुआ अपितु अवध का नवाब वजीर शुजाउद्दौला तथा भारत का मुगल सम्राट शाह आलम भी पराजित हुए। इस प्रकार, उत्तर के तीन विशिष्ट एवं शक्तिशाली शक्ति पराजित हुए।

(3) शुजाउद्दौला ने अपनी रक्षा के लिए अपने राज्य में अपने खर्च पर अंगरेजी फौज रखना स्वीकार किया। इस प्रकार अब अवध अंग्रेजों और मराठों के बीच मध्यवर्ती राज्य बन गया। क्रियात्मक रूप में वह अंगरेजों के अधीन हो गया और अंगरेजी राज्य का प्रभुत्व अवध की उत्तरी-पश्चिमी सीमा तक पहुँच गया। भारत में ब्रिटिश साम्राज्य के विस्तार के लिए यह एक बड़ा ही महत्वपूर्ण आधार बन गया। "बक्सर की विजय ने अंगरेजी प्रभुत्व की सीमा को

इलाहाबाद तक पहुँचा दिया।"

(3) मुगल सम्राट अंग्रेजों का पेंशन याफ्ता बन गया तथा मुगल सम्राट से अंग्रेजों को बंगाल बिहार और उड़ीसा की दीवानी प्राप्त हुई जिससे विधानतः एवं व्यवहारतः अँग्रेज बंगाल के शासक बन गए। उस संपूर्ण क्षेत्र के राजनीतिक और आर्थिक जीवन पर अंग्रेजों का प्रभुत्व कायम हो गया और ऐसी कोई शक्ति नहीं रह गई जो उन्हें किसी प्रकार की चुनौती दे सकती।

(4) अब बंगाल का नवाब अँग्रेजों के हाथ की कठपुतली मात्र था। उसके पास सेना का प्रबंध तथा कार्यकारी अधिकार तो थे परंतु आय के लिए वह अंग्रेजों पर निर्भर था। इस हालत में अँग्रेजों की इच्छा के विरुद्ध वह कुछ नहीं कर सकता था। इस प्रकार बक्सर की विजय के फलस्वरूप भारतीय राजनीति में अँग्रेज एक प्रभुत्व संपन्न शक्ति के रूप में अवतरित हुए। अब यह प्रायः निश्चित हो गया कि मुगलों के पतन के पश्चात् भारत में जो राजनीतिक शून्यता पैदा हो गई उसे अंग्रेज लोग ही भर देंगे। संक्षेप में, प्लासी की विजय के फलस्वरूप-

जो कार्य प्रारंभ हुआ था उसकी पूर्ति अवसर
की विजय ने कर दी। इसने ब्रिटिश
ईस्ट इंडिया कंपनी को साम्राज्य-
वृद्धि के पथ पर आगे बढ़ने का
महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया।